



Hindi Urdu for Health

The Practice of Medicine in Hindi and Urdu

repositories.lib.utexas.edu/handle/2152/64261

Hindi Urdu Flagship | South Asia Institute | Department of Asian Studies | The University of Texas at Austin

Ayurvedic Use

After the herbal medication has been prepared it can be used in many different ways. It can be used after boiling into a brew or as a powder after the herbal element has been reduced to an ash. It can also be used by leaching out salts from the herb. Salts thus produced from many different herbs can also be combined into a single medicine for specific kinds of ailments. The prescriptive use of these medications is often harmonized by the Ayurvedic doctor according to the age, diet and lifestyle of the patient. Video clips in this section show interviews on how different Ayurvedic doctors think about the use they put these medicines to.

TREATMENT

Video URI: hdl.handle.net/2152/65530

Contents:

Hindi Transcription	2
Hindi Vocabulary	3
Hindi Questions	5
Urdu Transcription.....	6
Urdu Vocabulary	7
Urdu Question	9

Hindi Transcription

ये जो दवाईयां आप देते हैं...

जी...

इनका कोई निर्धारित एक मात्रा होती है?

हां जी, इनकी निर्धारित मात्राएं होती हैं... ये उम्र के हिसाब से चलती हैं... बच्चे की उम्र, बड़े की उम्र, और बस... दो ही उम्र के हिसाब से चलती हैं दवाईयां ऐसे...

तो क्या मात्रा होती है?

मात्रा में स्ती के हिसाब की होती हैं हमारे यहां, स्ती चलती हैं, आधा स्ती, एक स्ती, दो स्ती, ऐसे चलती हैं दवाईयां... स्ती, हमारे पुराने जमाने में चम्मच के पीछे की डंडी के हिसाब से लगाया करते थे...

वो क्या होता था पहले, ये बतायें?

स्ती का मतलब ये ही है, कि चम्मच जैसे ये होती है, अगर हमें शीतोप्लादी चूर्ण डालना है, बच्चे के में, तो हमें जो है, ये उसकी खरल में, तकरीबन ये दो पीछे की डंडी भरी और तब मिला के डालनी हैं... लक्ष्मीराज रस है, गोवंती भस्म है, श्रृंग भस्म है, इस तरह की दवाईयां मिला के, पीस के पुड़िया बना के, उसको शहद में मिला के चाटने के लिये देनी है... तो उसको जो है कफ वाली शिकायत, नज्जा, खांसी, जुखाक, बुखार वाली शिकायत उसकी दूर हो जाती है...

और जो ज्यादा उम्र के लोग हैं, उनके लिये क्या होता है?

ज्यादा उम्र के लोग, उनके हिसाब से ये आगे की डोस बन जायेगी... ये तकरीबन आधा-आधा चम्मच हो जायेंगी, इसमें बड़ी दवाईयां, और जो थोड़ी दवाईयां हैं वो थोड़ी-थोड़ी मात्रा में हो जायेंगी... बड़ी दवाईयां का मतलब, जैसे शीतोप्लादी चूर्ण है, तो ये तो आधा चम्मच, पौना चम्मच चल जायेगा... और जैसे लक्ष्मीराज रस है ये तकरीबन चार गोली पीस के देनी पडती हैं, और गोदंती भस्म है, श्रृंग भस्म है, मुलैठी चूर्ण है, ये तकरीबन दो-दो स्ती मिला के उसकी पुड़िया बनानी पडती हैं...

हां, दिखायें वैद्य जी, कहां से कहां तक होती हैं?

ये है जी छोटे बच्चों के लिये... यहां तक तकरीबन हमें शीतोप्लादी चूर्ण लेना है, और मामूली सा इसमें गोवंतीभस्म डालनी है और लक्ष्मीराज रस की सिर्फ दो गोली डालनी है...

और बड़े लोगों के लिये कहां...

बड़े लोगों के लिये आधा चम्मच से ज्यादा, थोड़ा सा भर के डालना है शीतोप्लादी चूर्ण, और चार गोली डालनी है और बाकी जो है स्ती के हिसाब से ये गोवंतीभस्म है, श्रृंग भस्म है, ये डालनी है...

वैद्य जी, ये बतायें कि आपके जो आयुर्वेद हैं, इसमें कोई ऐसी खास रामबाण दवाएं हैं जोकि और आप किसी प्रैक्टिस में नहीं पाते हैं? उनके नाम और वो क्या कार्य करती हैं, इसके बारे में हमें बतायें?

इसमें, देखो रामबाण दवायें सभी वैद्य मानते हैं और हम भी मानते हैं, लेकिन वो ज्यादा मानते हैं जो इन्हीं से ठीक करते हैं, वो ज्यादा मानते हैं... अब हर रोग में बहुत दवाएं ऐसी हैं जो वो ही काम करती हैं... बिगड़े हुये बुखार में, बिगड़े हुए स्किन रोग में, बिगड़े हुए पित में, शीत पित जो होता है इसमें रामबाण दवाएं काम करती हैं आयुर्वेदिक, इसमें ऐलोपैथिक दवाई सिर्फ उसको मामूली तौर पर ठीक कर देगी लेकिन permanently उसका पित नहीं जायेगा... इसमें वो ही दवाएं हमारे लिये रामबाण हो जायेंगी जब वो उन्हीं से ठीक हो जायेगा... अब रामबाण तो कहने का तो वो ही है कि जिसने, जिसका ईलाज अचूक हो, और वो उसी से ठीक हो जाये, तो वो ही रामबाण हो जायेगी हमारे लिये तो...

उन दवाओं के नाम अगर बता पायें तो?

अब अगर पित के लिये, खुजली के लिये देना है हमें, रामबाण में, हमारे यहां हरिद्राखंड, सबसे बढ़िया शुद्धगंधक, रामबाण है स्किन के लिये... खदिराऋष्ट, वरिदाऋष्ट मिला के अगर आदमी रोज पीये तो उसको कोई भी चमड़ी का रोग नहीं होगा, ब्लड प्रेशर नहीं होगा, ये रामबाण ही हैं... और ऐसे ही बुखार के लिये हमारे यहां विषदोरांतक पुष्पक एक औषधी है, ये रामबाण है, कैसा भी ज्वर हो, कितना भी पुराना कठिन ज्वर हो, मंदा हो, तेज हो, ये रामबाण है जोरांतक पुष्पक... बाकी तो, दवायें तो सभी रामबाण ही हैं हमारे पास, लेकिन ये अचूक दवायें हैं... इनका योग, जब, जब भी हमने किया सफलता ही मिली...

Hindi Vocabulary

Set, determined	निर्धारित
Amount	मात्रा
According to age	उम्र के हिसाब से
Tiny measure of weight	रत्ती
Half rattii	आधा रत्ती
One rattii	एक रत्ती
Two rattii	दो रत्ती
Spoon	चम्मच
Shitopaladii powder, made of cane sugar, banslochan (bambusa arundinacea), pippali (piper longum), cardamom (eletteria cardamomum), cinnamon (cinnamomum cassia), and corn starch	शीतोप्लादी चूरण
Mortar	खरल
Found	मिला के
	लक्ष्मीलाज रस
	गोवंती भस्म
	श्रृंग भस्म
Having ground them	पीस के
Making a little packet	पुड़िया बना के
Mixing in honey	शहद में मिला के
For licking	चाटने के लिये
	गोदंती भस्म
Powder made of mulaithi herb	मुलैठी चूर्ण
From where to where	कहां से कहां तक

For children	छोटे बच्चों के लिये
Around	भर के
Sure cure	रामबाण दवाएं
Name	नाम
Work	कार्य
When bile is in imbalance	बिगड़े हुए पित में
Bile imbalance caused by cold	शीत पित
Normally alright	मामूली तौर पर ठीक
Sure	अचूक
Become well	ठीक हो जाये
Itch	खुजली
	हरिद्राखंड
	शुद्धगंधक
	खदिराऋष्ट
	वरिदाऋष्ट
Drink daily	रोज पीये
	विषदोरांतक पुष्पक
Medication, drug, medicine	औषधी
Whatever kind of fever may be	कैसा भी ज्वर हो
Slow	मंदा
High, fast, strong	तेज
	जोरांतक
	पुष्पक
Sure cures	अचूक दवायें
Use	योग
Success	सफलता

Hindi Questions

आयुर्वेद में दवा की मात्राएँ किस उम्र के हिसाब से चलती हैं?

- 1 बड़ों की उम्र के हिसाब से
- 2 जवानों की उम्र के हिसाब से
- 3 बड़ी उम्र व बच्चों की उम्र के हिसाब से
- 4 औरतों की उम्र के हिसाब से

स्किन के लिए कौनसी दवाई सब से बढ़िया है?

- 1 हरिद्राखंड
- 2 शुद्धगंधक
- 3 खदिराऋष्ट
- 4 विषदोरांतक पुष्पक

Urdu Transcription

یہ جو دوائیاں آپ دیتے ہیں۔۔۔

جی۔۔۔

ان کا کوئی نردھارت ایک ماترا ہوتی ہے؟

ہاں جی، ان کی نردھارت ماترائیں ہوتی ہیں۔۔۔ یہ عمر کے حساب سے چلتی ہیں۔۔۔ بچے کی عمر، بڑے کی عمر، اور بس۔۔۔ دو ہی عمر کے حساب سے چلتی ہیں دوائیاں ویسے۔۔۔

تو کیا ماترا ہوتی ہے؟

ماترا میں رتی کے حساب کی ہوتی ہیں ہمارے یہاں، رتی چلتی ہیں، آدھا رتی، ایک رتی، دو رتی، ایسے چلتی ہیں دوائیاں۔۔۔ رتی، ہمارے پرانے زمانے میں چمچ کے پیچھے کی ٹنڈی کے حساب سے لگایا کرتے تھے۔۔۔

وہ کیا ہوتا تھا پہلے، یہ بتائیں؟

رتی کا مطلب یہ ہی ہے، کہ چمچ جیسے یہ ہوتی ہے، اگر ہمیں شتوپلا دی چورن ڈالنا ہے، بچے کے میں، تو ہمیں جو ہے، یہ اس کی کھرل میں، تقریباً یہ دو پیچھے کی ٹنڈی بھری اور تب ملا کے ڈالنی ہیں۔۔۔ لکشمیلاج رس ہے، گونوتی بھسم ہے، شرانگ بھسم ہے، اس طرح کی دوائیاں ملا کے، پیس کے پڑیہ بنا کے، اس کو شہد میں ملا کے چائٹے کے لئے دینی ہے۔۔۔ تو اس کو جو بے کف والی شکایت، نزلہ، کھانسی، زکام، بخار والی شکایت اس کی دور ہو جاتی ہے۔۔۔

اور جو زیادہ عمر کے لوگ ہیں، ان کے لئے کیا ہوتا ہے؟

زیادہ عمر کے حساب سے یہ آگے کی یہ ٹوس بن جائیگی۔۔۔ یہ تقریباً آدھا آدھا چمچ ہو جائیگی، اس میں بڑی دوائیاں، اور جو تھوڑی دوائیاں ہیں وہ تھوڑی تھوڑی ماترا میں ہو جائیگی۔۔۔ بڑی دوائیاں کا مطلب، جیسے شیتاپلا دی چورن ہے، تو یہ تو آدھا چمچ، پونہ چمچ چل جائیگا۔۔۔ اور جیسے لکشمیلاج رس ہے یہ تقریباً چار گولی پیس کے دینی پڑتی ہیں، اور گوندتی بھسم ہے، شرانگ بھسم ہے، ملیٹھی چورن ہے، یہ تقریباً دو دو رتی ملا کے اس کی پڑیہ بنانی پڑتی ہے۔۔۔

ہاں، دکھائیے ویدیہ جی، کہاں سے کہاں تک ہوتی ہیں؟

یہ ہے جی چھوٹے بچوں کے لئے۔۔۔ یہاں تک تقریباً ہمیں شیتوپلا دی چورن لینا ہے، اور معمولی سا اس میں گونوتی بھسم ڈالنی ہے اور لکشمیلاج رس کی صرف دو گولی ڈالنی ہے۔۔۔

اور بڑے لوگوں کے لئے کہاں۔۔۔

بڑے لوگوں کے لئے آدھا چمچ سے زیادہ، تھوڑا سا بھر کے ڈالنا ہے شتوپلا دی چورن، اور چار گولی ڈالنی ہے اور باقی جو ہے رتی کے حساب سے یہ گونوتی بھسم ہے، شرانگ بھسم ہے، یہ ڈالنی ہے۔۔۔

ویدیہ جی، یہ بتائیں کہ آپ کے جو آیوروید ہے، اس میں کوئی ایسی خاص رامبان دوائیں ہیں جو کہ اور آپ کسی پریکٹس میں نہیں پاتے ہیں؟ ان کے نام اور وہ کیا کاریہ کرتی ہیں، اس کے بارے میں ہمیں بتائیں؟

اس میں، دیکھو رامبان دوائیں سبھی ویدیہ مانتے ہیں اور ہم بھی مانتے ہیں، لیکن وہ زیادہ مانتے ہیں جو انہیں سے ٹھیک کرتے ہیں، وہ زیادہ مانتے ہیں۔۔۔ اب ہر روگ میں بہت دوائیں ایسی ہیں جو وہ ہی کام کرتی ہیں۔۔۔ بگڑے ہوئے بخار میں، بگڑے ہوئے سکن روگ میں، بگڑے ہوئے پت میں، شیت پت جو ہوتا ہے اس میں رامبان دوائیں کام کرتی ہیں آیورویدک، اس میں ایلوپیتھک دوائی صرف اس کو معمولی طور پر ٹھیک کر دینگی لیکن پرمنٹلی اس کا پت نہیں جائیگا۔۔۔ اس میں وہ ہی دوائی ہمارے لئیے رامبان ہو جائیگی جب وہ انہیں سے ٹھیک ہو جائیگا۔۔۔ اب رامبان تو کہنے کا تو وہ ہی ہے کہ جس نے، جس کا علاج اچوک ہو، اور وہ اسی سے ٹھیک ہو جائے، تو وہ ہی رامبان ہو جائیگی ہمارے لئے تو۔۔۔

Urdu Vocabulary

Set, determined	نردھارن
Amount	ماترا
According to age	عمر کے حساب سے
Tiny measure of weight	رتی
Half rattii	آدھا رتی
One rattii	ایک رتی
Two rattii	دو رتی
Spoon	چمچ
Shitopaladii powder, made of cane sugar, banslochan (bambusa arundinacea), pippali (piper longum), cardamom (eletteria cardamomum), cinnamon (cinnamomum cassia), and corn starch	شیتوپلادی چورن
Mortar	کھل
Found	ملا کے
	لکشمیلاج رس
	گوونتی بھس
	چورن
	بھسم
Having ground them	پیس کے
Making a little packet	پڑیا بنا کے

Mixing in honey	شہد میں ملا کے
For licking	چاٹنے کے لئے
	گودنتی بہسم
Powder made of mulaithi herb	ملیٹھی چورن
From where to where	کہاں سے کہاں تک
For children	چھوٹے بچوں کے لئے
Around	بہر کے
Sure cure	رہبان دوائیں
Name	نام
Work	کاریہ
When bile is in imbalance	بگڑے ہوئے پت میں
Bile imbalance caused by cold	شیت پت
Normally alright	معمولی طور پر ٹھیک
Sure	اچوک
Become well	ٹھیک ہو جائے
Itch	کھجلی
	ہردراکھنڈ
	شدھگندھک
	کھدراٹر شٹھ
	ورداتر شٹھ
Drink daily	روز پیے
	و شدورانتک پشپک
Medication, drug, medicine	اوشدھی
Whatever kind of fever may be	کیسا بھی جور ہو
Slow	مندا
High, fast, strong	تیز
	جورانٹک
	پشپک
Sure cures	اچک دوائیں
Use	یوگ
Success	سفلتا

Urdu Question

آیورویڈ میں دوا کی ماترائیں کس عمر کے حساب سے چلتی ہیں؟

- 1 بڑوں کی عمر کے حساب سے
- 2 جوانوں کی عمر کے حساب سے
- 3 بڑے اور بچوں کی حساب سے
- 4 عورتوں کی عمر کے حساب سے